

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मोक्ष, सत्र 10, पुनर्जन्म

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा मोक्ष पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 10 है, पुनर्जन्म।

हम उद्धार के सिद्धांत या उद्धार के सिद्धांत पर अपने व्याख्यान जारी रखते हैं, आह्वान से पुनर्जन्म की ओर बढ़ते हुए।

संक्षिप्त बाइबिल प्रस्तावना के बाद, हम पुनर्जन्म के व्यवस्थित सूत्रीकरण के साथ काम करते हैं। पुनर्जन्म का वर्णन, पुनर्जन्म और हमारी आवश्यकता, त्रिएकता में पुनर्जन्म, पुनर्जन्म और यीशु का उद्धार कार्य, पुनर्जन्म और परमेश्वर का वचन, बपतिस्मा में पुनर्जन्म, विश्वास में पुनर्जन्म, पुनर्जन्म और ईसाई जीवन। हम इसे समाप्त करेंगे।

बाइबिल का सारांश बहुत छोटा है। हम पुराने नियम में हृदय के खतने में पुनर्जन्म की भाषा और प्रतिज्ञा पाते हैं, यहजेकेल 36 में आत्मा के उपहार का वादा किया गया है, और यिर्मयाह 31 में हृदय के परिवर्तन की नई वाचा की प्रतिज्ञा में। यहजेकेल 36:35 से 37, हमें इसे पढ़ना चाहिए, परमेश्वर वादा करता है, यहजेकेल 36:25 से 27।

इस्राएल को फिर से इकट्ठा करने का वादा करने के बाद, यही यहाँ का संदर्भ है, मैं तुम पर स्वच्छ जल छिड़कूँगा, और तुम अपनी सारी अशुद्धियों और अपनी सारी मूर्तियों से शुद्ध हो जाओगे। मैं तुम्हें शुद्ध करूँगा और मैं तुम्हें एक नया हृदय और एक नई आत्मा दूँगा। मैं तुम्हारे भीतर डालूँगा, और मैं तुम्हारे शरीर से पत्थर का हृदय निकाल दूँगा और तुम्हें मांस का हृदय दूँगा, और मैं अपनी आत्मा तुम्हारे भीतर डालूँगा और तुम्हें मेरी विधियों पर चलने और मेरे नियमों का पालन करने में सावधान रहने के लिए प्रेरित करूँगा।

हम शायद यिर्मयाह 31 से 31, 31 से 34 में नई वाचा के महान अंश से उतने परिचित नहीं हैं। देखो, यहोवा की यह वाणी है, ऐसे दिन आ रहे हैं जब मैं इस्राएल और यहूदा के घरानों से नई वाचा बाँधूँगा, उस वाचा के समान नहीं जो मैंने उनके पूर्वजों से उस दिन बाँधी थी जब मैं उनका हाथ पकड़कर उन्हें मिस्र देश से बाहर ले आया था, मेरी वाचा जिसे उन्होंने तोड़ दिया, यद्यपि मैं उनका पति था, यहोवा की यह वाणी है, क्योंकि यही वाचा मैं उन दिनों के बाद इस्राएल के घराने से बाँधूँगा, यहोवा की यह वाणी है। मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में डालूँगा, और उसे उनके हृदयों पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वे मेरे लोग ठहरेंगे।

और अब से कोई अपने पड़ोसी और अपने भाई को यह नहीं सिखाएगा कि प्रभु को जानो, क्योंकि वे सब मुझे जान लेंगे, छोटे से लेकर बड़े तक, प्रभु की यही वाणी है, क्योंकि मैं उनके अधर्म को क्षमा करूँगा और उनके पाप को फिर स्मरण न करूँगा। यूहन्ना के सुसमाचार और उसके पहले पत्र दोनों में, हम विश्वासियों के नए जीवन का वर्णन करने के लिए जन्म या पुनर्जन्म की भाषा पाते हैं। परमेश्वर का पुनर्जन्म कार्य उसकी संप्रभु इच्छा का कार्य है।

पौलुस के अनुसार पुनर्जन्म पवित्र आत्मा का कार्य है, तीतुस 3:5, और इसे उसके द्वारा तथा अन्यत्र पुनरुत्थान या परमेश्वर के नए सृजन कार्य के रूप में वर्णित किया गया है। हम 1 पतरस और याकूब दोनों में देखते हैं कि परमेश्वर अपने वचन के द्वारा, यीशु मसीह के सुसमाचार के प्रचार के द्वारा विश्वासियों को पुनर्जीवित करता है - पुनर्जन्म, व्यवस्थित सूत्रीकरण।

पुनर्जन्म का वर्णन किया गया है। पवित्रशास्त्र पापियों के जीवन पर परमेश्वर के अनुग्रह को लाने की कई छवियों का उपयोग करता है, जिसमें पुनर्जन्म भी शामिल है। दूसरे शब्दों में, उद्धार का संपूर्ण अनुप्रयोग, जिसे हम अनंत काल में उद्धार की योजना बनाने वाले परमेश्वर से अलग करते हैं, चुनाव, पहली सदी में यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान में उद्धार को पूरा करने वाले परमेश्वर से, उद्धार का अनुप्रयोग, परमेश्वर वास्तव में अपना अनुग्रह लाता है, हमें प्रभु को जानने के लिए प्रेरित करता है, जिसे हम इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करने वाले कई तरीकों से व्यक्त करते हैं।

यह वही है जो हमें अपने बेटे से जोड़ता है। यह वही है जो हमें बुलाता है, सुसमाचार के आह्वान के माध्यम से हमें प्रभावी ढंग से बुलाता है। यह वही है जो हमें नया जीवन और पुनर्जन्म देता है।

यह उसका हमें धर्मांतरित करना है, हमें पाप से हटाकर अपनी ओर मोड़ना है, जैसा कि सुसमाचार में कहा गया है। धर्मांतरण पश्चाताप और विश्वास का संक्षिप्त रूप है। यह उसका हमें न्यायसंगत ठहराना है, हमें धर्मी घोषित करना है।

यह उसका हमें अपने परिवार में अपनाना है। यह उसका हमें एक बार और हमेशा के लिए पवित्र करना है और आजीवन प्रगतिशील पवित्रता में रखना है। यह उसका हमें बचाए रखना, संरक्षण करना है।

ये सभी एक ही वास्तविकता के बारे में बात करने के अलग-अलग तरीके हैं, यानी उद्धार लागू किया गया। और अब हम इसे जीवन, पृष्ठभूमि, आध्यात्मिक मृत्यु, पुनर्जन्म यानी आध्यात्मिक पुनरुत्थान, या परमेश्वर द्वारा उन लोगों को नया जीवन देने के संदर्भ में कर रहे हैं जो अपने अपराधों और पापों में मरे हुए हैं। पवित्रशास्त्र पापियों के जीवन पर परमेश्वर के अनुग्रह को लाने की कई छवियों का उपयोग करता है, जिन्हें मैंने अभी संक्षेप में प्रस्तुत किया है, जिसमें पुनर्जन्म की छवि भी शामिल है।

पुनर्जन्म परमेश्वर का अनुग्रहपूर्ण कार्य है जो उन लोगों को नया जीवन देता है जो आत्मिक रूप से मृत हैं। इफिसियों 2 पद 4 और 5, परमेश्वर ने हमें मसीह के साथ जीवित किया, भले ही हम अपराधों में मरे हुए थे। आप अनुग्रह से बचाए गए हैं।

प्रेरित पौलुस के लिए अनुग्रह का सार यह है कि परमेश्वर मृत्यु में से जीवन लाता है। परमेश्वर के लिए, जो लोग आत्मिक रूप से मरे हुए हैं, अर्थात् परमेश्वर के जीवन से रहित हैं, उन्हें जीवित करने के लिए, उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए, उन्हें परमेश्वर के प्रति और परमेश्वर की बातों के प्रति, तथा अन्य विश्वासियों के प्रति जीवित करने के लिए। बहुत से मसीही दुखद स्थिति को जानते हैं, खुशी और दुख दोनों, एक दूसरे विश्वासी के साथ बात करने की, जो एक असंरक्षित पृष्ठभूमि, एक असंरक्षित परिवार या मित्रों से आता है, आधे घंटे तक दूसरे विश्वासी से बात करना, और ऐसा

महसूस करना कि आप उन्हें उन लोगों से बेहतर जानते हैं जिन्हें आप अपने पूरे जीवन में जानते हैं, जिनके साथ आप आध्यात्मिक स्तर पर संवाद नहीं कर सकते।

यह उन पुराने लोगों का परिणाम है, जो प्रभु को नहीं जानते, खास तौर पर उम्र में बूढ़े नहीं, जो पहले के जीवन के थे, आध्यात्मिक रूप से मृत हैं, और आप और आपके नए ईसाई मित्र आध्यात्मिक रूप से जीवित हैं। यही पुनर्जन्म का कार्य है। जॉन ने प्राकृतिक जन्म के साथ इसकी तुलना करके सिखाया कि पुनर्जन्म अलौकिक है।

यूहन्ना के सुसमाचार अध्याय 1:12 और 13. क्योंकि जितनों ने उसे अर्थात् मसीह को ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं। वे न तो स्वाभाविक वंश से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से जन्मे हैं। यूहन्ना 1:12 और 13.

यीशु ने सिखाया कि पुनर्जन्म तत्काल होता है। उद्धरण, मैं तुमसे सच कहता हूँ, जो कोई मेरा वचन सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, अनन्त जीवन उसका है और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होगी, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है। यूहन्ना 5:24.

पॉल पुनर्जन्म की तुलना हृदय के खतने से करते हैं, जो पुराने नियम की अवधारणा है। उद्धरण, एक व्यक्ति यहूदी है, पॉल रोमियों 2:29 में लिखते हैं, जो भीतर से एक है और खतना आत्मा द्वारा हृदय का है, न कि पत्र का। रोमियों 2:29।

परमेश्वर ने विद्रोही इस्राएल को व्यवस्थाविवरण 10:18 में चेतावनी दी, अपने हृदय का खतना करो और अब और हठीले मत बनो। यह एक आदेश है। दयालुता से, परमेश्वर ने इस्राएल से कहा कि वह उनके हृदय का खतना करेगा ताकि वे अपने पूरे हृदय और अपनी पूरी आत्मा से उससे प्रेम करें।

अर्थात्, व्यवस्थाविवरण 10:16 की आज्ञा को बाद में व्यवस्थाविवरण 30 और पद 8 में सांकेतिक रूप में बदल दिया गया है। परमेश्वर ने अपने लोगों को आंतरिक रूप से नवीनीकृत करने का वादा किया, कठोर हृदयों को ग्रहणशील हृदयों से बदल दिया। नई वाचा में, उसकी आत्मा अपने लोगों में वास करती है और उनकी आज्ञाकारिता को प्रेरित करती है। यहजकेल 36:26, 27.

यह न्यू टेस्टामेंट की अनिवार्यता की घटना है। संकेतात्मक, ये ग्रीक क्रियाओं के मूड या तरीके हैं जो नंबर एक, संकेतात्मक के बारे में बात करने के लिए एक शब्दावली बन गए हैं, जो यह व्यक्त करने का एक मूड है कि चीजें कैसी हैं, तथ्य का एक सरल कथन। बेशक, मैं अति सरलीकरण कर रहा हूँ।

यह बताता है कि परमेश्वर ने हमारे लिए क्या किया है, दोनों नियमों में उसके महान कार्यों का वर्णन। निर्देशात्मक के आधार पर परमेश्वर अपने लोगों को उसके लिए जीने का आदेश देता है। इसलिए, तथाकथित संकेतात्मक बताता है कि परमेश्वर ने क्या किया है।

यह आज्ञा संकेतात्मक पर आधारित है और परमेश्वर के लोगों को परमेश्वर ने जो किया है उसके आधार पर जीने के लिए कहती है। वह उन्हें आज्ञा देता है। वह उनसे अपेक्षा करता है कि वे उसके लिए जिँ क्योँकि उसने उन्हें बचाया है।

पुनर्जन्म और हमारी ज़रूरत। मुझे लगता है कि उद्धार के आवेदन के प्रत्येक पहलू को उसकी संगत ज़रूरत के प्रकाश में सबसे अच्छी तरह से समझा जा सकता है। अगर इनमें से हर एक पहलू उद्धार के बारे में बात करने का एक तरीका है, तो हमारी ज़रूरत की हर एक तस्वीर हमारे पाप के बारे में बात करने का एक तरीका है।

तो, मसीह के साथ एकता, उद्धार के बारे में बात करने का एक तरीका, हमारी ज़रूरत, मसीह से अलगाव के रूप में एकता के संदर्भ में पाप की यह तस्वीर। बुलावा, परमेश्वर हमें सुसमाचार के आह्वान के माध्यम से प्रभावशाली बुलावे में बुला रहा है। ज़रूरत यह है कि हम आध्यात्मिक रूप से बहरे और गूँगे थे, या हमारे पास आध्यात्मिक रूप से देखने के लिए आँखें और सुनने के लिए कान नहीं थे।

लेकिन भगवान हमें यह देता है। वह हमारी आँखें खोलता है। अगर आप चाहें तो वह हमारे कान भी खोलता है।

और हम इसे प्रत्येक पहलू के लिए पाएँगे। औचित्य। हमें दोषी ठहराया गया, और परमेश्वर ने हमें मसीह में धर्मी घोषित किया।

गोद लेना। यह सिर्फ़ इतना नहीं है कि हम अनाथ थे, जैसा कि कुछ लोकप्रिय मंत्रालय और कुछ हद तक स्वस्थ संचार करते हैं, लेकिन हम गुलाम थे, परमेश्वर कहते हैं। और उसने हमें आज्ञाद किया और हमें अपने आध्यात्मिक बेटे और बेटियों के रूप में अपनाया।

पवित्रीकरण। हम अशुद्ध थे। हम आत्मिक कोढ़ी थे जो अपनी छाती पीटते हुए कह रहे थे, हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया करो।

और वह हमें अपने संतों के रूप में बनाता है, हमें अपनी आत्मा देता है और हमारे जीवन में काम करता है। उद्धार के आवेदन का हर पहलू एक ज़रूरत के अनुरूप है। इस मामले में, फिर से जन्म लेने से पहले, हम आध्यात्मिक रूप से मरे हुए थे।

हमारे प्रति महान दया और प्रेम में, उद्धारण, हमारे द्वारा किए गए धार्मिकता के कार्यों से नहीं, बल्कि उनकी दया के अनुसार, पवित्र आत्मा द्वारा पुनर्जन्म और नवीनीकरण के स्नान के माध्यम से, परमेश्वर ने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के माध्यम से अपनी आत्मा को हम पर बहुतायत से डाला, तीतुस 3, 5, और 6। आध्यात्मिक मृत्यु हमारे उद्धार की आवश्यकता की सूची में सबसे ऊपर है। उद्धारण, आप उन अपराधों और पापों में मरे हुए थे जिनमें आप पहले चले थे। हवा की शक्ति के शासक के अनुसार, हम भी, पहले अपनी शारीरिक इच्छाओं में उनके बीच रहते थे, और हम स्वभाव से क्रोध के अधीन बच्चे थे, इफिसियों 2, 1 से 4। पुनर्जन्म की हमारी आवश्यकता सरल है।

पुनर्जन्म से पहले, हम आध्यात्मिक रूप से मृत थे। हमारे पास परमेश्वर का जीवन नहीं था और हम खुद को जीवित नहीं कर सकते थे। पुनर्जन्म और त्रिएकत्व, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उद्धार के सिद्धांत के हर पहलू के साथ, यह परमेश्वर, त्रिएकत्व का कार्य है।

पवित्र त्रिमूर्ति का प्रत्येक व्यक्ति हमारे पुनर्जन्म में भूमिका निभाता है। परमेश्वर पिता की इच्छा है कि हम नए सिरे से जन्म लें, 1 पतरस 1:3। वहाँ जाना अच्छा है क्योंकि यह पुनर्जन्म पर एक अद्भुत मार्ग है। 1 पतरस 1, 3 और उसके बाद, हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता धन्य हैं।

अपनी महान दया के अनुसार, उसने हमें यीशु मसीह के मृतकों में से जी उठने के द्वारा जीवित आशा के लिए फिर से जन्म दिया है, एक अविनाशी, निष्कलंक और अजर विरासत के लिए, जो तुम्हारे लिए स्वर्ग में रखी गई है, जो परमेश्वर की शक्ति से विश्वास के द्वारा उद्धार के लिए सुरक्षित रखे जाते हैं, जो अंतिम समय में प्रकट होने के लिए तैयार है। परमेश्वर पिता की इच्छा है कि हम नए सिरे से जन्म लें। उसने हमें जीवित आशा के लिए फिर से जन्म दिया है।

परमेश्वर पुत्र का पुनरुत्थान नए जन्म की शक्ति को मुक्त करता है। पिता ने हमें मृतकों में से यीशु मसीह के पुनरुत्थान के माध्यम से एक जीवित आशा के लिए फिर से जन्म दिया। पिता हमारे पुनर्जन्म का कारण बनता है।

वह अपनी दया के पीछे का निर्माता है, जो हमें फिर से जन्म लेने का कारण बनता है। पुनरुत्थान, वास्तविक जीवन के लिए शक्ति, प्रभु यीशु मसीह का पुनरुत्थान जीवन है। पवित्र आत्मा पुनर्जन्म में सबसे प्रमुख, मैंने सबसे महत्वपूर्ण नहीं कहा, लेकिन सबसे प्रमुख भूमिका निभाता है।

तीनों व्यक्तियों का कार्य बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन नाकों की गिनती और पुनर्जन्म के अंशों को देखते हुए, आत्मा प्रमुख है। यूहन्ना 3 के संदर्भ में, यीशु शब्दों के साथ खेल करते हैं। उसी यूनानी शब्द, न्यूमा का अर्थ सांस, हवा या आत्मा हो सकता है।

छोटा एस या बड़ा एस। यीशु कहते हैं कि हवा जहाँ चाहे वहाँ चलती है और तुम उसकी आवाज़ सुनते हो, लेकिन तुम नहीं जानते कि वह कहाँ से आती है या कहाँ जा रही है। तो, यह उन सभी के साथ होता है जो हवा से पैदा होते हैं। मैं उस तरह से अनुवाद नहीं करूँगा, लेकिन यह वही शब्द है।

ऐसा ही हर उस व्यक्ति के साथ होता है जो परमेश्वर की पवित्र हवा, आत्मा से जन्म लेता है, कैपिटल एस, जॉन 3:8। जैसे बहती हवा हमारे नियंत्रण से बाहर होती है, वैसे ही पवित्र आत्मा के साथ भी ऐसा ही होता है जो लोगों को आध्यात्मिक मृत्यु से आध्यात्मिक जीवन में लाता है। जो लोग पुनर्जन्म लेते हैं वे आत्मा से जन्म लेते हैं, श्लोक 8। वास्तव में, जिम पैकर, जो अब प्रभु के साथ है, नए जन्म में आत्मा की भूमिका की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पैकर के नोइंग गॉड, 20वीं वर्षगांठ संस्करण, पृष्ठ 62-63 से उद्धरण, पवित्र आत्मा के बिना, कोई विश्वास नहीं होगा और कोई नया जन्म नहीं होगा।

संक्षेप में, कोई ईसाई नहीं। सुसमाचार का प्रकाश चमकता है, लेकिन, उद्धरण, इस दुनिया के भगवान, उद्धरण के भीतर उद्धरण, लेकिन इस दुनिया के भगवान ने उन लोगों के दिमाग को अंधा कर दिया है जो विश्वास नहीं करते हैं, 2 कुरिन्थियों 4:4। और अंधे प्रकाश की उत्तेजना का जवाब नहीं देते हैं। क्योंकि आत्मा इस तरह से गवाही देती है, जब सुसमाचार का प्रचार किया जाता है तो लोग विश्वास में आते हैं, लेकिन आत्मा के बिना, दुनिया में कोई ईसाई नहीं होगा।

पैकर, ईश्वर को जानना। पुनर्जन्म के लिए हमारी आवश्यकता आध्यात्मिक मृत्यु है। पुनर्जन्म पवित्र त्रिदेव का कार्य है।

पिता इसकी योजना बनाता है और अपनी दया से इसे पूरा करता है। पुत्र डायनेमो है। उसका पुनरुत्थान जीवन वह जीवन है जो हमें प्रेरित करता है और हमें मृत्यु से जीवन की ओर ले जाता है।

आत्मा पिता और पुत्र का वास्तविक एजेंट है जो हमें नया जीवन प्रदान करता है। यदि पिता बिजली कंपनी का मालिक है और पुत्र डायनेमो है, तो आत्मा हमारे घर आती है और हमें बिजली से जोड़ती है। वह हमें बिजली ग्रिड से जोड़ता है, मानो वह ऐसा ही है।

बेशक, तीनों व्यक्ति हमेशा की तरह सामंजस्य में काम करते हैं। पुनर्जन्म और यीशु का कार्य। यदि पुनर्जन्म उद्धार के अनुप्रयोग का हिस्सा है, तो यह मसीह के कार्य, उद्धार की सिद्धि पर आधारित है।

तो, यह इस मामले में भी वैसा ही है जैसा कि हर दूसरे मामले में होता है। यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान पुनर्जन्म का आधार है। निश्चित रूप से, हम कह सकते हैं, परमेश्वर की कोई योजना नहीं, कोई पुनर्जन्म नहीं, लेकिन अधिक तत्काल, मसीह का कोई कार्य नहीं, कोई पुनर्जन्म नहीं।

पॉल ने आदम और मसीह के बीच तुलना की। दूसरा आदम, रोमियों 5:8, जैसा कि एक अपराध के माध्यम से सभी के लिए निंदा है, वैसे ही एक धार्मिक कार्य के माध्यम से सभी के लिए जीवन की ओर ले जाने वाला औचित्य भी है। आदम की तरह, जो रोमियों 5:18 है, जैसे आदम का मूल पाप मानव जाति को निंदा में डालता है, वैसे ही मसीह का एक धार्मिक कार्य, क्रूस पर उसकी मृत्यु, सभी विश्वासियों के लिए औचित्य और अनन्त जीवन लाता है।

यीशु की मृत्यु जीवन लाती है। मसीह की मृत्यु को उसके पुनरुत्थान से अलग नहीं किया जाना चाहिए, जो पुनर्जन्म का आधार भी है, जैसा कि हमने अभी 1 पतरस 1.3 में देखा। वह शक्ति जो हमें नया जीवन देती है, उद्धरण, यीशु मसीह के मृतकों में से पुनरुत्थान के माध्यम से आती है। यह पुष्टि करने के बाद कि, उद्धरण, मसीह को मृतकों में से उठाया गया है, 1 कुरिन्थियों 15.20, पॉल ने फिर से आदम की तुलना की।

क्योंकि जब मृत्यु मनुष्य के द्वारा आई, तो मरे हुए लोगों का पुनरुत्थान भी मनुष्य के द्वारा ही होगा। क्योंकि जैसे आदम में सभी मरते हैं, वैसे ही मसीह में सभी जिलाए जाएंगे। 1 कुरिन्थियों 15:21-22। जी उठे मसीह आत्मिक रूप से मरे हुए लोगों को अभी जीवित करते हैं, और उनका पुनरुत्थान युग के अंत में उनके पुनरुत्थान का कारण होगा।

उद्धार के हर पहलू के लिए मसीह का कार्य अत्यंत आवश्यक है, जिसमें पुनर्जन्म भी शामिल है। पुनर्जन्म और परमेश्वर का वचन। यह मुझे बुलाहट की याद दिलाता है।

परमेश्वर सुसमाचार के प्रचार के माध्यम से अपना प्रभावशाली आह्वान करता है। दो बार, हमने देखा है कि पवित्र आत्मा पुनर्जन्म में परमेश्वर का एजेंट है। अब हम जोड़ते हैं कि आत्मा नया जीवन देने के लिए वचन का उपयोग करता है।

रोमियों 1:16-17 के अनुसार, सुसमाचार "हर एक विश्वास करनेवाले के लिये उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है," और इसमें उद्धार भी शामिल है जब इसे पुनर्जन्म के रूप में देखा जाता है। 1 पतरस 1:23, पतरस सिखाता है कि परमेश्वर नया जीवन सृजित करने के लिए जीवित वचन का उपयोग करता है, उद्धारण, तुम्हारा नया जन्म हुआ है, नश्वर बीज से नहीं पर परमेश्वर के जीवित और स्थायी वचन के द्वारा अविनाशी। 1 पतरस 1:1 पतरस 1:23। याकूब, पुनर्जन्म में परमेश्वर की संप्रभुता को रेखांकित करते हुए सिखाता है कि परमेश्वर हमें जीवित करने के लिए सत्य के वचन का उपयोग करता है, उद्धारण, अपनी पसंद से उसने हमें सत्य के वचन के द्वारा जन्म दिया ताकि हम उसकी सृष्टि में एक प्रकार के पहले फल हों, याकूब 1:18। इसलिए, पुनर्जन्म और प्रचार के बीच के संबंध को समझना कठिन नहीं है।

रहस्यमय और सर्वोच्च रूप से, आत्मा वचन के उपदेश का उपयोग उन पुरुषों और महिलाओं को नया जीवन देने के लिए करता है जो अपने अपराधों और पापों में मरे हुए हैं। यीशु, नीकुदेमुस से बात करते हुए, पुनर्जन्म और परमेश्वर के राज्य के बीच संबंध स्थापित करते हैं, उद्धृत करते हुए, मैं तुमसे सच कहता हूँ, जब तक कोई नया जन्म नहीं लेता, वह परमेश्वर के राज्य को नहीं देख सकता, यूहन्ना 3:3। पुनर्जन्म परमेश्वर के राज्य में प्रवेश का द्वार है, मसीहा द्वारा शुरू किया गया परमेश्वर का शासन। जब परमेश्वर की कृपा से, हम राज्य में प्रवेश करते हैं, हम इसका अनुभव करते हैं, इसके नागरिक बन जाते हैं, और मसीह की वापसी पर इसके पूर्ण प्रकटीकरण की लालसा करते हैं।

पुनर्जन्म और ईसाई बपतिस्मा। कई ईसाई परंपराओं ने गलत तरीके से सिखाया है कि शिशुओं या विश्वासियों का बपतिस्मा में पुनर्जन्म होता है। इसे बपतिस्मा पुनर्जन्म कहा जाता है।

शिशु बपतिस्मा पुनर्जन्म रोमन कैथोलिक चर्च और लूथरन चर्चों द्वारा सिखाया जाता है। विश्वासियों के बपतिस्मा पुनर्जन्म को तथाकथित पुनर्स्थापनावादी चर्चों द्वारा सिखाया जाता है जैसे कि कम से कम उनमें से कुछ; मैं इस तरह से निष्पक्ष होने की कोशिश करूँगा, मसीह के चर्च और स्वतंत्र ईसाई चर्च। बपतिस्मा पुनर्जन्म, चाहे वह शिशुओं का हो या विश्वासियों का, कहता है कि भगवान स्वचालित रूप से बपतिस्मा के पानी के माध्यम से आध्यात्मिक जीवन प्रदान करते हैं।

अपील कई धर्मग्रंथों से की गई थी, जिनमें से एक में यीशु के शब्द हैं, उद्धारण, सच कहता हूँ, जब तक कोई पानी और आत्मा से जन्म न ले, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता, यूहन्ना 3:5। बपतिस्मा को संदर्भित करने के लिए यूहन्ना 3:5 को लेना। कई नए नियम के व्याख्याकार

सोचते हैं कि यह बपतिस्मा को संदर्भित नहीं करता है। यीशु को उम्मीद थी कि निकुदेमुस को नए जन्म का ज्ञान होगा।

यीशु उससे यह उम्मीद नहीं कर सकते थे कि वह अभी तक अस्तित्व में नहीं आई प्रथा, ईसाई बपतिस्मा के बारे में जाने। यूहन्ना 3 में यीशु संभवतः यहजेकेल 36:25 से 27 का उल्लेख करते हैं, जिसे हमने पहले पढ़ा था। इसलिए, पानी से जन्म लेना युगांतिक शुद्धिकरण को संदर्भित करता है, और आत्मा से जन्म लेना मानव हृदय में आत्मा के पुनर्जन्म के कार्य को संदर्भित करता है।

यहजेकेल ने न केवल इस्राएल को बंधुआई से वापस लाने की आशा की, बल्कि यिर्मयाह की तरह अध्याय 31 में शब्द का उपयोग किए बिना नई वाचा की भी आशा की। हालाँकि, अवधारणाएँ ओवरलैप होती हैं, जिसमें अंतिम दिनों में, यानी कि युगांतिक समय में, परमेश्वर अपनी आत्मा के द्वारा पाप से महान शुद्धिकरण लाएगा। यह नई वाचा और पुनर्जन्म में पूरा होता है, और यीशु ने निकुदेमुस से अपेक्षा की कि वह इसके बारे में पूरी तरह से अज्ञानी होने के बजाय इसका विचार रखे।

यीशु यहजेकेल 36:25 से 27 का उल्लेख करते हैं, इसलिए पानी से जन्म लेना अंतिम समय की सफाई को दर्शाता है। मैं तुम्हें स्वच्छ जल से धोऊंगा और तुम शुद्ध हो जाओगे, यहजेकेल ने कहा। और मैं तुम्हें अपनी आत्मा दूंगा और तुम्हारे हृदयों का खतना करूंगा और मांस का हृदय निकालकर तुम्हें दूंगा, पत्थर का हृदय निकालकर, क्षमा करें, और तुम्हें मांस का हृदय दूंगा।

दिल निकाल दो, यह काम नहीं करता। पत्थर का दिल निकालो और तुम्हें मांस का दिल दो। पुनर्जन्म में क्या होता है, यह इसकी एक बुनियादी तस्वीर है, हे भगवान।

पत्थर से मांस तक, मृत्यु से जीवन तक, आत्मा से जन्म लेना मानव हृदय में आत्मा के पुनर्जन्म कार्य को संदर्भित करता है। तीतुस 3:5 और पवित्र आत्मा द्वारा पुनर्जन्म और नवीनीकरण के स्नान के माध्यम से उद्धार के लिए भी अपील की गई थी। हम सहमत हैं कि यह बपतिस्मा को संदर्भित करता है, लेकिन बपतिस्मात्मक पुनर्जन्म को नहीं, क्योंकि, जैसा कि नए नियम में ऊपर उल्लेख किया गया है, लोग विश्वास करते हैं, और फिर वे मिशनरी स्थिति के मामले में बपतिस्मा लेते हैं जो हमें मिलता है, जैसे कि प्रेरितों की पुस्तक में।

पुनर्जन्म और बपतिस्मा: ईसाई बपतिस्मा महत्वपूर्ण है, मैं इसे न केवल एक अध्यादेश बल्कि एक संस्कार, ईश्वर का एक पवित्र संकेत, ईश्वर के वचन के प्रचार के समानांतर और ईश्वर के वचन के प्रचार के अधीनस्थ समझूंगा, जिसके माध्यम से, प्रभु के भोज के साथ, ईश्वर वास्तव में विश्वास करने वाले प्रतिभागियों को अनुग्रह देता है, लेकिन मैं अनुग्रह को इससे इतना जुड़ा हुआ नहीं समझूंगा कि ईश्वर स्वचालित रूप से उन लोगों को पुनर्जीवित करता है जो बपतिस्मा लेते हैं, न कि वे स्वचालित रूप से उन लोगों को बचाते हैं जो प्रभु के भोज में भाग लेते हैं। पुनर्जन्म और विश्वास। विश्वासी सहमत हैं कि पुनर्जन्म और विश्वास एक साथ हैं।

हालांकि, वे इस बात पर बहस करते हैं कि किसकी प्राथमिकता है। यह कहने का यह तरीका पहले आने वाली घटना से कहीं बेहतर है। अगर वे एक साथ होते हैं, तो वे आम तौर पर एक ही समय पर होते हैं।

क्या विश्वास पुनर्जन्म का कारण है, आर्मिनियन दृष्टिकोण, या क्या पुनर्जन्म विश्वास का कारण है, केल्विनिस्ट दृष्टिकोण? आइए एक लाइट स्विच लें। हम स्विच को फ़्लिप करते हैं और मान लेते हैं कि इस दृष्टांत के लिए सब कुछ ठीक से काम कर रहा है, और कमरे में रोशनी आ जाती है। क्या स्विच फ़्लिप करना विश्वास और रोशनी का पुनर्जन्म है, या स्विच फ़्लिप करना पुनर्जन्म और रोशनी का विश्वास है? इस दृष्टांत के लिए, कृपया इलेक्ट्रीशियन न बनें; मेरे साथ तकनीकी रूप से पेश आएं।

या फिर कार स्टार्ट करने पर चाबी फिर से चालू हो जाती है और कार विश्वास के साथ स्टार्ट हो जाती है, या चाबी फिर से चालू होने पर विश्वास के साथ स्टार्ट हो जाती है? फिर से, कृपया ऐसी कार की कल्पना न करें जो स्टार्ट ही न हो। यहाँ दिए गए उदाहरणों में आपको सावधान रहना होगा, हे भगवान। और आप ऐसे कई अन्य उदाहरण पा सकते हैं, जैसे कि टीवी चालू करना और इसी तरह के अन्य उदाहरण।

एक साथ, लेकिन क्या एक की दूसरे पर कोई कारणात्मक प्राथमिकता है? 1 यूहन्ना इन सवालों का जवाब देता हुआ प्रतीत होता है। हम 1 यूहन्ना 2:29, 3:9 और 4:7 में स्थापित एक पैटर्न देखते हैं। इन जगहों पर, यह उन लोगों की बात करता है जो फिर से पैदा हुए हैं, पुनर्जीवित हुए हैं। ग्रीक जेनोटो का पूर्ण निष्क्रिय, जन्म देना, जन्म देना।

1 यूहन्ना 2:29 . यदि आप जानते हैं कि वह धर्मी है, तो संभवतः मसीह, मैं संभवतः इसलिए कहता हूँ क्योंकि 1 यूहन्ना इनमें से कुछ सर्वनामों के पूर्ववर्ती के रूप में कुख्यात है, और निश्चित रूप से परमेश्वर और मसीह दोनों ही धर्मी हैं। लेकिन वैसे भी, यह मेरे द्वारा अभी किए जा रहे कार्य के लिए महत्वपूर्ण नहीं है।

यदि आप जानते हैं कि मसीह धर्मी है, तो आप यह भी जानते हैं। हर कोई जो सही काम करता है, वह उससे पैदा हुआ है। मैं इसे वापस लेता हूँ।

यह संभवतः पिता है क्योंकि वह नए जन्म का लेखक है। यदि आप जानते हैं कि परमेश्वर धर्मी है, तो आप यह भी जानते हैं। हर कोई जो सही काम करता है, वह उससे पैदा हुआ है।

जहाँ नया जन्म सही काम करने का कारण है, कोई भी प्रोटेस्टेंट यह नहीं कहेगा कि आपको फिर से जन्म लेने के लिए सही काम करना चाहिए। इसे कर्मों द्वारा मोक्ष कहा जाता है।

1 यूहन्ना 3:9. हर कोई जो परमेश्वर से जन्मा है, वही परिपूर्ण निष्क्रिय, परिपूर्ण रहा है, निष्क्रिय, परमेश्वर से जन्मा है, पाप नहीं करता क्योंकि उसका बीज उसमें रहता है। वह पाप करने में सक्षम नहीं है क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है। एक बार फिर, नया जन्म पवित्र जीवन का कारण है।

1 यूहन्ना 4:7. प्यारे दोस्तों, हम एक दूसरे से प्यार करें क्योंकि प्यार भगवान से है, और जो कोई प्यार करता है वह भगवान से पैदा हुआ है और भगवान को जानता है। इस क्रिया का वही सही निष्क्रिय काल, जन्म लेना। कोई भी प्रोटेस्टेंट यह नहीं कहेगा कि आप फिर से जन्म लेने के लिए भगवान से प्यार करते हैं।

नहीं, नया जन्म परमेश्वर से प्रेम करने का कारण है, पाप का अभ्यास न करना और जो सही है उसे करना। नया जन्म पवित्रता और एक दूसरे से प्रेम करने का परिणाम है। अब, इसका पुनर्जन्म और विश्वास से क्या संबंध है? मुझे खुशी है कि आपने यह प्रश्न पूछा कक्षा।

इसका उत्तर 1 यूहन्ना 5:1 में दिया गया है। जो कोई भी यह मानता है कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से जन्मा है। यह जेनो का वही पूर्ण निष्क्रिय है। यह मानना कि यीशु ही मसीह है, यूहन्ना के कहने का एक तरीका है, उद्धार के लिए यीशु पर विश्वास करना।

वह कह सकता है, यीशु को मसीह के रूप में मानना, उसे उद्धारकर्ता के रूप में मानना, उस पर विश्वास करना। मैं कुछ अन्य तरीकों को भूल रहा हूँ जिनसे 1 यूहन्ना ऐसा करता है, लेकिन वह उसमें भिन्नता करता है। यह मानना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, एक और तरीका है।

हर कोई जो यह मानता है कि यीशु मसीह है, हर कोई जो उद्धार के लिए यीशु पर विश्वास करता है, वह परमेश्वर से जन्मा है। पिछले तीन आयतों के पैटर्न का पालन करते हुए, हम देखते हैं कि परमेश्वर से जन्म लेने का परिणाम विश्वास होता है। यूहन्ना हमारे विश्वास को परमेश्वर से जन्म लेने के प्रमाण के रूप में संदर्भित करता है।

पुनर्जन्म और विश्वास को कालानुक्रमिक रूप से अलग नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वे एक ही समय में होते हैं, लेकिन उन्हें इस तरह से अलग किया जाना चाहिए कि पुनर्जन्म मोक्ष की एक तस्वीर है जो हमें नया जीवन देने में ईश्वर के कार्य पर जोर देती है, जबकि रूपांतरण मोक्ष की एक तस्वीर है जो ईश्वर के प्रति हमारे विश्वास की प्रतिक्रिया पर जोर देती है। पुनर्जन्म और विश्वास के बीच संबंध के बारे में मेरी समझ यह है कि पुनर्जन्म स्विच को फ्लिप करना, स्टीरियो को चालू करना, कार को स्टार्ट करने के लिए चाबी को घुमाना है, और विश्वास कमरे को रोशन करना, संगीत शुरू करना, या कार को स्टार्ट करना है - अंत में, पुनर्जन्म और ईसाई जीवन।

पुनर्जन्म विश्वासियों के जीवन में बहुत सारे फल पैदा करता है। पौलुस बताता है कि मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान से उत्पन्न नई सृष्टि कैसे अच्छे कार्यों में आगे बढ़ती है, इफिसियों 2:10। आत्मा जीवन देती है, 2 कुरिन्थियों 3:6, और विश्वासियों को महिमा से महिमा में मसीह की छवि में बदल देती है, पद 18। पतरस परमेश्वर पिता की स्तुति करता है, जिसने हमें एक ऐसी विरासत की जीवित आशा में पुनर्जीवित किया जो अविनाशी, निष्कलंक और अमिट है, जिसे विश्वासियों के लिए स्वर्ग में रखा गया है।

क्योंकि हम नाशवान बीज से नहीं, बल्कि अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवित और स्थायी वचन के द्वारा फिर से जन्मे हैं, इसलिए हम, उद्धारण, एक दूसरे के लिए शुद्ध हृदय से सच्चे भाईचारे का प्रेम दिखाते हैं और एक दूसरे से ईमानदारी से प्रेम करते हैं, 1 पतरस 1:22-23. 1 यूहन्ना पुनर्जन्म

पर अपनी शिक्षाओं को लगातार ईसाई जीवन पर लागू करता है। यूहन्ना सिखाता है कि नया जीवन विश्वासियों के विश्वास, लोगों के विश्वास, उनके जीने के तरीके और उनके प्रेम को प्रभावित करता है। पुनर्जन्म विश्वास को प्रभावित करता है, क्योंकि यूहन्ना आदेश देता है, प्रिय मित्रों, हर आत्मा पर विश्वास मत करो, बल्कि आत्माओं को परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं या नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता संसार में निकल आए हैं।

इस तरह आप परमेश्वर की आत्मा को जान सकते हैं, 1 यूहन्ना 4:1-3. हर आत्मा जो यह स्वीकार करती है कि यीशु देह में आया है, परमेश्वर की ओर से है, लेकिन हर आत्मा जो यीशु को स्वीकार नहीं करती, वह परमेश्वर की ओर से नहीं है, 1 यूहन्ना 4:1-3. यूहन्ना अपने पाठकों को आश्चर्य करता है कि जो लोग फिर से जन्मे हैं वे यीशु पर विश्वास करते हैं, 1 यूहन्ना 5:1. पुनर्जन्म जीवनशैली को प्रभावित करता है, क्योंकि परमेश्वर प्रकाश है, और उसमें बिल्कुल भी अंधकार नहीं है, 1 यूहन्ना 1:5-7. अगर हम कहते हैं कि हम उसके साथ संगति करते हैं और फिर भी अंधकार में चलते हैं, तो हम झूठ बोल रहे हैं और सच्चाई का अभ्यास नहीं कर रहे हैं. अगर हम प्रकाश में चलते हैं जैसा कि वह स्वयं प्रकाश में था, तो हम एक दूसरे के साथ संगति करते हैं, और यीशु के पुत्र का खून हमें सभी पापों से शुद्ध करता है, 1 यूहन्ना 1:5-7. प्रकाश में चलने का मतलब है परमेश्वर के सत्य को काम में लाना और पवित्र जीवन जीना. एक ईश्वरीय जीवन का मतलब पाप रहित पूर्णता नहीं है, बल्कि इसमें पापों की नियमित स्वीकारोक्ति शामिल है, 1 यूहन्ना 1.8-10. पुनर्जन्म यह तय करता है कि हम किससे और कैसे प्रेम करते हैं, क्योंकि नया जीवन परमेश्वर और साथी विश्वासियों के प्रति प्रेम में प्रकट होता है।

सैमुअल निगावा ने इसे अच्छी तरह से व्यक्त किया है: उद्धारण, विश्वास और अभ्यास अविभाज्य हैं। यीशु में किसी के विश्वास की ईमानदारी भगवान के अन्य बच्चों के लिए उसके प्यार से प्रदर्शित होती है, उद्धारण समाप्त करें। अफ्रीकी बाइबिल कमेंट्री, सैमुअल निगावा , 1 जॉन, पृष्ठ 1535।

ऐसा इसलिए है क्योंकि प्रेम परमेश्वर की एक अनिवार्य विशेषता है। परमेश्वर प्रेम है, 1 यूहन्ना 4:8। जॉन स्टॉट कहते हैं कि यह सरलता से उद्धृत है: परमेश्वर का प्रेम, जो स्वयं में उत्पन्न होता है, 1 यूहन्ना 4:7-8, उसके पुत्र में प्रकट हुआ, 1 यूहन्ना 4:9-10, और उसके लोगों में पूर्ण हो गया, पद 12। अधिक विशेष रूप से, यूहन्ना इस बात पर जोर दे रहा है कि परमेश्वर प्रेम है।

वह दूसरों की भलाई चाहता है और हमेशा उनकी भलाई के लिए खुद को समर्पित करता है। उसका प्रेम अंतर्निहित, शाश्वत है और उसके सभी दिव्य गुणों से जुड़ा हुआ है। यह त्रिदेवों में व्यक्त होता है जैसे पिता पुत्र से प्रेम करता है, पुत्र पिता से प्रेम करता है, प्रत्येक आत्मा से प्रेम करता है, इत्यादि।

यह अंतर्निहित प्रेम दूसरों तक भी प्रवाहित होता है, यहाँ तक कि हम तक भी। वास्तव में, हमारे भीतर वास करने वाली आत्मा हमें परमेश्वर के प्रेम का संचार करती है, विशेष रूप से मसीह के आगमन और उद्धार कार्य में प्रदर्शित होती है। आत्मा हमें नया जन्म देती है और हमारे माध्यम से परमेश्वर के प्रेम को वापस परमेश्वर तक पहुँचाती है।

हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं क्योंकि उसने पहले हमसे प्रेम किया। यह तथ्य कि हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं, यह दर्शाता है कि हम परमेश्वर से जन्मे हैं, और दूसरों के प्रति हमारा प्रेम यह दर्शाता है कि हम परमेश्वर से जन्मे हैं, 1 यूहन्ना 4.7-8। रॉबर्ट यारब्रो ने लिखा है कि परमेश्वर का प्रेम, उद्धारण, उन लोगों में प्रेम को जन्म देता है जिन्हें परमेश्वर आध्यात्मिक पुनर्जन्म प्रदान करता है। यारब्रो, 1-3 यूहन्ना, पृष्ठ 235।

जोनाथन एडवर्ड्स एक उद्धारण में बताते हैं कि जब आत्मा अपने सामान्य प्रभावों से, उद्धारक अनुग्रह प्रदान करती है, तो वह अपने पवित्र स्वभाव में आत्मा को समर्पित कर देती है। इस प्रभाव को उत्पन्न करके, आत्मा आत्मा में एक अंतर्निहित, महत्वपूर्ण सिद्धांत बन जाती है, और विषय आध्यात्मिक हो जाता है, उद्धारण बंद करें। एडवर्ड्स, चैरिटी और इसके फल, सोली देओ ग्लोरिया, 2.5.7।

ऐसा दिव्य अनुग्रह, उद्धारण, हृदय की गहराई तक पहुँचता है, ऐसा कहा जा सकता है। यह एक नए स्वभाव में निहित है, और इसलिए, यह स्थायी और स्थायी है, एडवर्ड्स फिर से। दूसरे शब्दों में, आत्मा हमें ईश्वर के प्रेम का संचार करती है।

आत्मा हमारे माध्यम से परमेश्वर के प्रेम को वापस परमेश्वर तक पहुँचाती है, और आत्मा हमारे माध्यम से दूसरों के प्रति परमेश्वर के प्रेम को पहुँचाती है। आत्मा दूसरों के प्रति भी परमेश्वर के प्रेम को पहुँचाती है। वह दूसरों के माध्यम से परमेश्वर के प्रेम को वापस परमेश्वर तक पहुँचा रहा है, और वह दूसरों के माध्यम से परमेश्वर के प्रेम को हमारे प्रति पहुँचा रहा है।

हम परमेश्वर के लोगों, चर्च और समुदाय का हिस्सा हैं, जिनकी विशेषता प्रेम है। इस प्रकार, हम न केवल प्रेम देते हैं, बल्कि उसे प्राप्त भी करते हैं। हम जो प्रेम देते हैं और जो प्रेम हम प्राप्त करते हैं, वह सब अंततः परमेश्वर के अपने प्रेम से प्रवाहित होता है।

जिस तरह ईश्वर वास्तव में दूसरों की भलाई चाहता है और उनकी भलाई के लिए खुद को दे देता है, उसी तरह उसके लोगों के रूप में हम भी वास्तव में दूसरों की भलाई चाहते हैं और उनकी भलाई के लिए खुद को दे देते हैं। क्रिस्टोफर मॉर्गन, उद्धारण, त्रिदेव का प्रेम एक दूसरे के प्रति हमारे प्रेम को कैसे आकार देता है? लव ऑफ गॉड नामक पुस्तक में, पृष्ठ 130-142। यह थियोलाॅजी इन कम्युनिटी श्रृंखला में है।

यह पुनर्जन्म पर हमारी प्रस्तुति का अंत है, और इस व्याख्यान में, भगवान की इच्छा से, हमारे अगले व्याख्यान में, हम रूपांतरण के सिद्धांत की शुरुआत करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा उद्धार पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 10 है, पुनर्जन्म।